गांडीव

दिनांक-06.01.2019

डीरेका द्वारा डीजल इंजन से विद्युत इंजन में रूपान्तरित

प्रथम 12 हजार अश्वशक्ति विद्युत रेल इंजन परीक्षण के लिए भेजा गया

वाराणसी, 5 जनवरी। डीजल रेल इंजन कारखाना द्वारा डीजल रेल इंजन से विद्युत रेल इंजन में रूपान्तरित प्रथम 12 हजार अश्वशक्ति विद्युत रेल इंजन परीक्षण के लिए पश्चिम मध्य रेलवे के तुगलकाबाद शेड को भेजा गया। उल्लेखनीय है कि 4 हजार अश्वशक्ति के दो डब्ल्यूडीजी-4 रेल इंजनों को रूपान्तरित कर 12 हजार अश्व शक्ति का एक डब्ल्यूएजी-11 विद्युत रेल इंजन बनाया गया है।

इसके लिए 4 हजार अश्वशक्ति के दो डीजल रेल इंजनों को 6 हजार अश्वशक्ति के विद्युत रेल इंजनों में रूपान्तरित किया गया एवं जोड़कर 12 हजार अश्वशक्ति का बनाया गया। रेलवे बोर्ड के मार्गदर्शन में डीरेका ने चितरंजन रेल इंजन कारखाना तथा अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) के सहयोग से यह कठिन और चुनौतीपूर्ण लक्ष्य हासिल किया है। इस उच्च अश्वशक्ति के विद्युत रेल इंजन को 105 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलने हेतु डिजाइन किया गया है। इस मालवाहक रेल इंजन का वजन 252 टन है, इसमें तीन फेज इंडक्शन मोटर, चार पावर कंवर्टर लगे है एवं रिजेनेरेटिव व न्यूमेटिक ब्रेकिंग सिस्टम से युक्त है।

डीरेका के लिए यह बड़े ही गर्व का विषय है कि मेक इन इंडिया पहल के अंतर्गत स्वदेशी तकनीक अपनाते हुए विश्व में प्रथम बार दो पुराने डीजल कर्षण रेल इंजन को इतने अधिक शक्तिशाली 12 हजार अश्वशक्ति के विद्युत कर्षण रेल इंजन में रूपान्तरित कर कीर्तिमान स्थापित किया गया है। इसी परिप्रेक्ष्य में उपरोक्त 12 हजार अश्वशक्ति रेल इंजन का निर्माण कर डीरेका ने अपने स्वर्णिम इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ा है।

Scanned by CamScanner